सोमवार

22 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 149
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। टीईटी के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने विशाल प्रदर्शन करते हुए सचिवालय कूच किया। जिनको सचिवालय के पास ही बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। जिसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

आज यहां उत्तराखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले सैकडों की संख्या में प्रदेश भर से आये शिक्षक परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में सचिवालय के लिए कूच किया। परेड ग्राउंड से कनक चौक, औरियन्ट चौक होते हुए राजपुर रोड, घंटाघर चौक से होते हुए सचिवालय के पास पहुंचे जहां पर पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। इस दौरान राजपुर रोड पर जाम लग गया और लोगों को घंटो जाम में फंसना पडा। बैरकेडिंग पर रोके जाने पर सभी शिक्षक वहीं धरने पर बैठ गये। उनकी मांग थी कि टीईटी परीक्षा को निरस्त किया जाये तथा शिक्षा के अधिकार पर कुठाराघात बंद किया जाये।

उनका कहना था कि शिक्षकों का शोषण बंद किया जाये तथा पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाये। उनका कहना था कि नियमितीकरण और स्थायी शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ किया जाये तथा टीईटी परीक्षा को निरस्त किया जाये। इस दौरान वह वहीं धरने पर बैठे रहे। इस दौरान उनकी

पुलिस ने हल्की नोंक झोंक हुई। जिसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

उत्तराखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ की रैली के दौरान उनकी भारी संख्या में मौजूदगी से देहरादून की समस्त सड़कों पर जाम लग गया। रैली जब घंटाघर से राजपुर रोड की ओर बढ़ने लगी तो चकराता रोड, राजपुर रोड, दर्शनलाल चौक सहित कई रोड पर लोग जाम से परेशान देखे गये। जिनका कहना था कि दून में होने वाले धरना प्रदर्शनों के कारण आम आदमी को इससे परेशानी होती है।

भू-माफियाओं के खिलाफ कांग्रेस का सचिवालय कूच, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। भूमाफियाओं के खिलाफ कांग्रेस ने सचिवालय कूच के दौरान जोरदार प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाईन भेज दिया।

आज यहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी कांग्रेस मुख्यालय पर एकत्रित हुए। जहां से कांग्रेसी कार्यकर्ता ने भूमाफियाओं व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सचिवालय के लिए कूच किया। जब वह कांग्रेस मुख्यालय से राजपुर रोड होते हुए सचिवालय के करीब पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको वहीं रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरकेडिंग पर चढकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी खडी रही। कांग्रेस नेताओं का आरोप था

कि प्रदेश की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में डुबी हुई है। अभी तक कोई भी सरकार इस कदर भ्रष्टाचार में नहीं डुबी रही जितनी धामी सरकार भ्रष्टाचार में डुबी हुई है। उनका आरोप था कि हरिद्वार में जमीनी घोटाले में दो अधिकारियों पर कार्रवाई करने का सरकार ने मात्र नाटक किया। अगर सरकार को भ्रष्टाचार पर कार्यवाही करनी थी तो उस नेता का नाम उजागर क्यों नहीं कर रहे हैं जिसके इशारे पर दोनो अधिकारी जमीनी विवादों में घिरे हुए थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में हरिद्वार का जिलाधिकारी जिसे बनाया था वह कभी इस पद पर नहीं रहा। उनका आरोप था कि हाल ही में कुम्भ आने वाला है और कुम्भ के लिए एक ऐसे अधिकारी को डेपुटेशन पर बुलाया जा रहा है जो रिटार्यमेंट के करीब है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में एक सौ जमीनों से सम्बन्धित भ्रष्टाचार के मामले हैं लेकिन सरकार उसपर आंख मूंदे बैठी है।

उन्होंने साफ आरोप लगाया कि प्रदेश की धामी सरकार के साये में भ्रष्टाचारी फल फूल रहे हैं और भ्रष्टाचार निरंतर बढ रहा है जिसके लिए साफ तौर पर ध ामी सरकार ही पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री से इस्तीफे की भी मांग रखी। काफी देर तक प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच काफी नोंक झोंक हुई। पुलिस सभी को गिरफ्तार कर पुलिस लाईन ले गयी।

दून वैली मेल

संपादकीय

अराजकता की फसल बोई किसने?

देवभूमि उत्तराखंड के शासन-प्रशासन को अब अराजकता कि जिस समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है उसके लिए कौन जिम्मेदार है? अराजकता की यह फसल किसने बोई है इस सवाल का जवाब अब हर आम उत्तराखंड वासी के जहन को मथ रहा है। अभी तीन-चार दिन पूर्व कर्णप्रयाग में कुछ निहंग सिखों के साथ स्थानीय लोगों का जो विवाद हुआ था उसमें हम सभी ने इन सरदारों को तलवारे भांजते हुए देखा। लेकिन इस तरह की स्थिति पैदा क्यों हुई? किसकी गलती थी इसको कोई नहीं जानता। ट्रक में ड्राइवर की सीट पर बैठे एक सिख पर स्थानीय युवकों द्वारा लाठी डंडे चलाए जा रहे हैं थोड़ी देर बाद यह सिख युवक नंगी तलवार हाथ में लेकर ट्रक से नीचे कूदता है यूवको को ललकारता है और हम लाचारी में जान बचाकर भागते दिखते हैं। अब खबर आ रही है कि कुछ निहंगों ने जिनकी संख्या 8-10 बताई जा रही है, कर्णप्रयाग के नगरासू गुरुद्वारे को हाईजैक कर लिया गया है। आइटीबीपी व स्थानीय पुलिस तथा अधिकारी उन्हें समझाने में विफल हो चुके हैं सेना की मदद लेने के साथ-साथ अब पुलिस के बड़े अधिकारी भी यहां पहुंच चुके हैं। लग रहा है कि बिना किसी बड़े ऑपरेशन के अब गुरुद्वारे को इनसे मुक्त नहीं कराया जा सकता है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर आई कुछ खबरों को लेकर पंजाब के सिख समुदाय में भारी आक्रोश है वह इस बात को लेकर नाराज हैं क्योंकि गुरुद्वारों के प्रबंध समितियों ने उन निहंग सिखों का साथ नहीं दिया जिन्हें तलवारबाजी के मामले में पुलिस ने जेल भेजा है। खैर कुल मिलाकर कर्णप्रयाग की इस घटना के बाद हालत अत्यंत ही तनावपूर्ण बने हुए हैं जिसका प्रभाव चारधाम यात्रा तथा हेमकुंड साहिब यात्रा पर ही नहीं पड़ रहा है अपितु उत्तराखंड से लेकर पंजाब तक दिखाई दे रहा है। अब तक जो अलगाव की आग हिंदू-मुसलमानों और उनके धार्मिक प्रतीक चिन्हो व स्थलों को लेकर देखी जा रही थी वह अब गुरुद्वारों को भी अपनी जद में ले चुकी है। अराजकता और अलगाव वाद की यह आग सामाजिक परिवेश में जिस तरह का जहर घोल रही है उसका अंतिम नुकसान आम आदमी को ही हो रहा है। नफरत के इस जहर का किसी भी राजनीतिक दल और नेता को फायदा या नुकसान हो लेकिन समाज का भाईचारा और सौहार्द समाप्त हो रहा है। अभी बीते दिनों घटित हुई कुछ घटनाओं ने उत्तराखंड और हरियाणा के बीच गहरी खाई को दी थी अब उत्तराखंड और पंजाब के साथ भी कुछ वैसे ही हालात बनते दिखाई दे रहे हैं। भले ही गुरुद्वारे पर कब्जा करने वालो से शासन-प्रशासन किसी भी तरह निपट ले लेकिन पहाड़ की फिजाओं में जो नफरत और सांप्रदायिकता का जहर घुलता जा रहा है वह देवभूमि की देव संस्कृति के लिए अत्यंत ही नुकसानदेह है। दरअसल उत्तराखंड की वर्तमान सरकार जो उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के पद चिन्हों पर चलने और उनके अनुसरण पर चल रही है यूपी की तर्ज पर यहां भी बुलडोजर की संस्कृति को ही प्राथमिकता दी जा रही है। भाजपा नेताओं की यह मजबूरी जैसा बनकर रह गया है कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को हाई कमान के अनुरूप ही काम करना है तभी वह कुर्सी पर बने रह सकते हैं। लेकिन यह भी समझने की जरूरत है कि हर राज्य की स्थितियां और परिस्थितियों अलग-अलग होती हैं। उत्तराखंड राज्य की आर्थिकी की रीड पर्यटन है अलगाव वाद में उसकी अर्थव्यवस्था का प्रभावित होना स्वाभाविक है।

साइक्लिंग क्लब द्वारा साइकिल राइड एवं योग कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। देहरादून साइक्लिंग क्लब द्वारा स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश देने हेतु एक विशेष साइकिल राइड का आयोजन किया गया। प्रात: पांच बजे प्रेमनगर चौक से प्रारम्भ हुई इस राइड में क्लब के सदस्यों एवं साइक्लिंग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राइड प्रेमनगर चौक से नंदा की चौकी, पोंधा, यूपीईएस विश्वविद्यालय होते हुए डूंगा पहुँची। डूंगा में सभी प्रतिभागियों ने प्राकृतिक वातावरण के बीच 15 मिनट का योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर

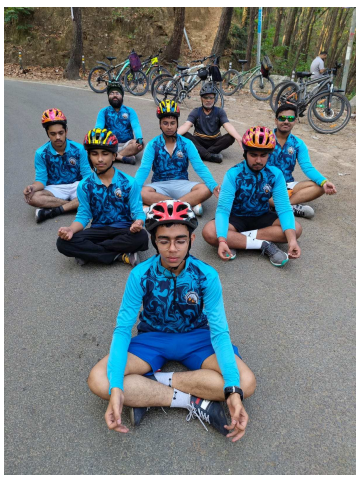

देहरादून साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि योग शरीर और मन दोनों को शांति प्रदान करता है तथा व्यक्ति को संतुलित एवं स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। योग एवं ध्यान सत्र के पश्चात सभी साइकिल चालक मांडूवाला फॉरेस्ट ट्रेल की ओर रवाना हुए तथा वहाँ से सिद्धूवाला चौक होते हुए पुन: प्रेमनगर पहुँचे। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह, डिजिटल मीडिया प्रमुख अंशु कनौजिया, प्रणय पंत, चिरांग, मोहम्मद हारिस, प्रांजल कपूर, सुरेन्द्र कुमार, अर्नब पाल सहित अनेक साइक्लिंग प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित योग करने तथा समाज में शांति एवं सकारात्मकता फैलाने के संकल्प के साथ किया गया।

अल्मोड़ा से विरोध की 'गूंज'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अल्मोड़ा दौरे के दौरान उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाते हुए गो बैक के नारे लगाए। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बैरिकेडिंग पर ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर बाद में छोड़ दिया गया।

मुख्यमंत्री धामी अल्मोड़ा में विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ-साथ जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही, लेकिन युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बेरोजगारी, पेपर लीक, बढ़ती महंगाई और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध दर्ज कराया। युवा कांग्रेस नेताओं का कहना था कि प्रदेश का युवा रोजगार, पारदर्शी भर्ती और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं दिख रही। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों पर सरकार जवाबदेही से बच रही है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का प्रयास किया गया।

दूसरी ओर भाजपा ने कांग्रेस के

●अल्मोड़ा में मुख्यमंत्री धामी को काले झंडे, गो बैक के नारों से गरमाई सूबे की सियासत
●युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किया प्रदर्शन, कई हिरासत में
●कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकार बताया, भाजपा ने कहा-विकास विरोधी राजनीति

विरोध प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी करार दिया। भाजपा नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री धामी प्रदेश में रिकॉर्ड विकास कार्यों को गति दे रहे हैं और कांग्रेस जनता के बीच अपनी घटती राजनीतिक जमीन को बचाने के लिए केवल विरोध की राजनीति कर रही है। भाजपा का दावा है कि प्रदेश में निवेश, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है, जिससे कांग्रेस असहज है।

पुलिस प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम के दौरान स्थिति को नियंत्रण में रखा। अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शन की सूचना पहले से थी, इसलिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए प्रदर्शनकारियों को कार्यक्रम स्थल से पहले ही रोक दिया गया। प्रशासन ने कहा कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही और मुख्यमंत्री के सभी निर्धारित कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुए।

अल्मोड़ा की घटना ऐसे समय हुई है जब उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज होने लगी हैं। विपक्ष लगातार बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, महंगाई और युवाओं के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। वहीं भाजपा विकास कार्यों और मजबूत नेतृत्व को चुनावी मुद्दा बनाने में जुटी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री के हर दौरे पर विपक्ष इस तरह के प्रतीकात्मक विरोध के जरिए सरकार को घेरने का प्रयास करेगा। दूसरी ओर भाजपा ऐसे प्रदर्शनों को विकास विरोधी बताकर जनता के बीच अपना पक्ष मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

अल्मोड़ा के स्थानीय लोगों का कहना है कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध शांतिपूर्ण होना चाहिए। आम लोगों की अपेक्षा है कि राजनीतिक दल आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर रोजगार, पलायन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे जमीनी मुद्दों पर ठोस समाधान प्रस्तुत करें।

चुनावी बिसात के बीच नया 'सियासी ट्रेंड'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 भले अभी कुछ समय दूर हों, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। प्रदेश के राजनीतिक माहौल में पिछले कुछ सप्ताह के दौरान एक नया ट्रेंड तेजी से उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के सार्वजनिक कार्यक्रमों में विरोध, घेराव, काले झंडे और गो बैक के नारे अब लगातार देखने को मिल रहे हैं।

अल्मोड़ा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को युवा कांग्रेस द्वारा काले झंडे दिखाए जाने का मामला हो या अन्य जिलों में भाजपा नेताओं के कार्यक्रमों के दौरान विरोध प्रदर्शनकृइन घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष अब केवल प्रेस बयान और धरना-प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहना चाहता। उसकी रणनीति सीधे उन मंचों तक पहुंचने की है, जहां सत्ता जनता के बीच मौजूद है। राजनीतिक गलियारों में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या यह केवल अलग-अलग घटनाएं हैं या फिर इसके पीछे कोई संगठित चुनावी रणनीति काम कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस और उससे जुड़े संगठन अब भाजपा के प्रत्येक बड़े कार्यक्रम को राजनीतिक अवसर के रूप में देख रहे हैं। उद्देश्य केवल विरोध दर्ज कराना नहीं, बल्कि सरकार को लगातार रक्षात्मक स्थिति में रखना भी है। इस रणनीति के तहत मुख्यमंत्री, मंत्रियों और भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के दौरों की पहले से जानकारी जुटाई जाती है। इसके बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर विरोध प्रदर्शन, काले झंडे, ज्ञापन और नारेबाजी के माध्यम से राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की जाती है। इन प्रदर्शनों के वीडियो और तस्वीरें कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे राजनीतिक चर्चा का दायरा और बढ़ जाता है।

❑बीजेपी नेताओं की घेराबंदी से गरमाई सियासत
❑उत्तराखंड में विपक्ष ने बदली चुनाव की रणनीति
❑चुनाव अभी दूर, लेकिन राजनीतिक टकराव तेज
❑सीएम से लेकर प्रदेश अध्यक्ष व मंत्रियों का विरोध
❑जनाक्रोश की अभिव्यक्ति या विपक्ष की है रणनीति

विपक्ष बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, महंगाई, पलायन, कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहा है। इन मुद्दों को प्रत्येक विरोध प्रदर्शन का आधार बनाया जा रहा है ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सरकार जनभावनाओं से दूर होती जा रही है। हालांकि राजनीतिक विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि विरोध के पीछे केवल मुद्दे ही नहीं, बल्कि चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और संगठन को ऊर्जा देने की रणनीति भी काम कर रही है।

भाजपा इन विरोध प्रदर्शनों को विपक्ष की राजनीतिक हताशा करार दे रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जब सरकार विकास कार्यों, निवेश, चारधाम यात्रा, समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जैसे मुद्दों पर आगे बढ़ रही है, तब विपक्ष के पास केवल विरोध की राजनीति बची है। लेकिन राजनीतिक दृष्टि से देखें तो भाजपा के सामने भी चुनौती कम नहीं है। चुनावी वर्ष नजदीक आने के साथ हर सार्वजनिक कार्यक्रम में सुरक्षा, राजनीतिक संदेश और जनसंपर्ककृतीनों का संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा। किसी भी छोटी घटना का राजनीतिक असर बड़ा हो सकता है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड में यह चुनावी संघर्ष का शुरुआती चरण है। विपक्ष सड़क पर संघर्ष का माहौल बनाकर सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करना चाहता है, जबकि भाजपा विकास और स्थिर नेतृत्व के मुद्दे पर जनता के बीच

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अधिकारी पहुंचे फरियादी नहीं आए

पौड़ी(आरएनएस)। नगर पालिका देवप्रयाग में आयोजित विशेष जन जागरूकता व लाभार्थी शिविर खाना पूर्ति बनकर रह गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी तो पहुंचे लेकिन अधिकांश लोगों को इसकी सूचना नहीं मिलने से लोग इसका लाभ नहीं उठा पाए। शिविर की जानकारी सभासदों तक को समय पर नहीं मिल पाई। प्रशासन की ओर से देवप्रयाग में नगर वासियों के लिए विशेष जन जागरूकता एवं लाभार्थी शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड सत्यापन, नवीन राशन कार्ड आवेदन, पेंशन योजनाओं, स्वरोजगार, महिला कल्याण आदि की नगरवासियों को जानकारी दी जानी थी लेकिन नगर पालिका सभागार में आयोजित इस शिविर की जानकारी आस-पास के लोगों को नहीं मिल पाई। शिविर में संबंधित विभागों के करीब 18 अधिकारी व प्रतिनिधि पहुंचे थे। शिविर में लाभ लेने के लिए स्वयं अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से लोगों से संपर्क किया गया तब किसी तरह कुछ लाभार्थी मौके पर पहुंचे। स्थानीय प्रमोद टोडरिया के अनुसार उन्हें भी शिविर की जानकारी नहीं हुई जिससे वह इसका लाभ नहीं ले पाए। सभासद राहुल कोटियाल के अनुसार उन्हें देर रात शिविर आयोजन का पत्र मिला और इस कारण अन्य लोगों को जानकारी नहीं दे पाए। नगर पालिका अध्यक्ष ममता देवी, सभासद सुनीता, संगीता शिविर में पहुंचीं मगर शिविर का लाभ लेने वाली जनता नदारत रही। शिविर में जल संस्थान, बैंक, शिक्षा विभाग के अधिकारी यहां थे लेकिन लोग नहीं आए। वहीं सहकारिता में एक, खाद्य आपूर्ति में 4, स्वरोजगार की 5 लोग जानकारी लेने पहुंचे। नगर पालिका अध्यक्ष ममता देवी ने बताया कि डीएम कार्यालय से बीते दिन शिविर आयोजन संबंधी पत्र मिलने के बाद नगर पालिका ने तत्काल इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। संबंधित विभागों को सूचना दी गई व पोस्टर भी आदि बनाकर लगाए गए।

ढरोगी गांव में गहराया पेयजल संकट

नई टिहरी(आरएनएस)। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत ढरोगी में पेयजल किल्लत से ग्रामीण परेशान है। गांव की पेयजल लाइन गत वर्ष क्षतिग्रस्त होने के बाद से पेयजल संकट गहरा गया है। ढरोगी गांव के लिए मलोगीगाड तोक से पानी की आपूर्ति होती है। बीते सितंबर माह में क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से गांव के लिए पेयजल सप्लाई करने वाले तीन किलोमीटर की लंबी पेयजल लाइन और पेयजल चैंबर भी क्षतिग्रस्त गया था जिससे गांव की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई थी। सदस्य क्षेत्र पंचायत मुकेश रतूड़ी, प्रकाश खंडूरी, मनोहर लाल रतूड़ी, दाताराम डिमरी ने बताया कि गांव से आधा किलोमीटर दूर छड़ा नामे तोक में गांव का पैत्रिक पेयजल स्रोत है। पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद ग्रामीण वहां पानी लाते थे। लेकिन बढ़ती गर्मी के कारण छड़ा पेयजल स्रोत पर पानी बहुत कम हो गया है,जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ने लगी है। बताया कि ग्रामीणों ने पूर्व में अपने स्तर से पेयजल लाइन की अस्थाई मरम्मत करने की कोशिश भी की लेकिन लाइन लंबी होने के कारण सफल नहीं हो पाई। गांव में करीब ४० परिवारों के घरों में पेयजल कनेक्शन है। ग्रामीणों ने गाय-भैंस पालन भी करते हैं जिससे पानी की खपत अधिक होती है।उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की ओर से जिला प्रशासन और जल निगम चंबा से लगातार पेयजल लाइन की मरम्मत की गुहार लगाई गई। बीते सप्ताह से जल निगम की ओर से पेयजल लाइन का मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। गांव में ध्याणियों की ओर से गांव में गो कथा का आयोजन भी शुरु करवाया गया है जिसके बाद पानी की जरूरत और बढ़ गई है।

सुखा नदी किनारे रहने वालों को मिलेगा स्थायी समाधान

ऋषिकेश(आरएनएस)। बुल्लावाला में सुसवा नदी के किनारे बसे ग्रामीणों को अब हर साल बरसात में होने वाली परेशानी से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। इसके लिए यहां नदी पर 4.97 करोड़ रुपये की लागत से पुस्ता निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह परियोजना वर्षा ऋतु में नदी के बढ़ते जलस्तर से होने वाले खतरे को देखते हुए शुरू की गई है।

बष्टी-कफनी पुलों की धीमी प्रगति पर जांच के आदेश

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बष्टी और कफनी क्षेत्र में निर्माणाधीन पुलों की धीमी प्रगति और कार्यों की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को मामले की जांच के निर्देश दिए। एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने वन विभाग स्तर पर लंबित मामलों और निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। कहा कि वन स्वीकृति और अन्य औपचारिकताओं के कारण प्रभावित परियोजनाओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। जिन कार्यों की डीपीआर तैयार होनी हैं उन्हें तत्काल रूप से तैयार करें। जिलाधिकारी ने बष्टी, कफनी के अंतर्गत निर्माणाधीन ब्रिज की धीमी गति एवं अन्य कार्यों में गुणवत्ता ठीक न होने पर मुख्य विकास अधिकारी को जांच के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और गुणवत्ता मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी रजत सुमन, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई पवन कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भीमल: उत्तराखंड के पहाड़ों का 'कल्पवृक्ष'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में प्रकृति ने ऐसी अनेक धरोहरें दी हैं, जिन्होंने सदियों से ग्रामीण जीवन को आत्मनिर्भर बनाया। इन्हीं में से एक है भीमल का पेड़। पहाड़ के बुजुर्ग इसे केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि जीवन का साथी मानते हैं। इसकी छाल से निकलने वाला मजबूत रेशा हो, पत्तियों से मिलने वाला पौष्टिक चारा, लकड़ी का घरेलू उपयोग या फिर इसके औषधीय गुणकृभीमल का हर हिस्सा किसी न किसी रूप में मानव और पशुओं के लिए उपयोगी रहा है।

एक समय था जब पहाड़ के लगभग हर गांव के आसपास भीमल के पेड़ सहज ही दिखाई देते थे। गांव की महिलाएं इसकी छाल से रेशा निकालकर मजबूत रस्सियां बनाती थीं। इन रस्सियों का उपयोग खेतों में, पशुपालन में, घास और लकड़ी बांधने, पुल बनाने और घरेलू कार्यों में वर्षों तक किया जाता था। आज भले ही नायलॉन और प्लास्टिक ने उनकी जगह ले ली हो, लेकिन भीमल की रस्सी की मजबूती और टिकाऊपन का मुकाबला आज भी मुश्किल माना जाता है।

पहाड़ की अर्थव्यवस्था लंबे समय तक पशुपालन पर आधारित रही है। भीमल की मुलायम और पौष्टिक पत्तियां गाय, बैल, बकरी और भैंस के लिए उत्कृष्ट चारे के रूप में जानी जाती हैं। विशेषकर सर्दियों में, जब हरा चारा कम उपलब्ध होता है, तब भीमल की पत्तियां पशुओं के पोषण का बड़ा आधार बनती हैं। यही कारण है कि ग्रामीण परिवार आज भी अपने खेतों की मेड़ों और घरों के आसपास भीमल लगाना पसंद करते हैं।

आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में भीमल का विशेष महत्व है। ग्रामीण परंपराओं में इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग घाव भरने, सूजन कम करने तथा त्वचा संबंधी समस्याओं में किया जाता रहा है। माना जाता है कि इसकी छाल में ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि किसी भी औषधीय उपयोग से पहले विशेषज्ञ की सलाह आवश्यक मानी जाती है।

भीमल केवल इंसान के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी वरदान है। इसकी जड़ें मिट्टी को मजबूती से पकड़कर रखती हैं, जिससे पहाड़ी ढलानों पर कटाव कम होता है। वर्षा के पानी को भूमि में समाहित करने में भी यह वृक्ष मददगार माना जाता है। यही कारण है कि जल संरक्षण और भूस्खलन रोकने के प्रयासों में भी भीमल जैसे स्थानीय वृक्षों को महत्वपूर्ण माना जाता है।

●भीमल के पेड़ में दवा भी, सहारा भी और आजीविका भी
●पहाड़ की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रहा भीमल का पेड़
●औषधीय गुणों से लेकर मजबूत रेशे तक हर रूप में अनमोल

पहले गांवों में महिलाएं भीमल के रेशे से रस्सी, डोरी, जाल और कई हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करती थीं। इन उत्पादों की स्थानीय बाजारों में अच्छी मांग रहती थी। यदि आधुनिक डिजाइन और विपणन से जोड़ा जाए, तो भीमल आधारित हस्तशिल्प आज भी ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बन सकता है।

बदलती जीवनशैली, पलायन और प्लास्टिक उत्पादों के बढ़ते उपयोग के कारण भीमल के पेड़ों की संख्या और उनसे जुड़े पारंपरिक ज्ञान में लगातार कमी आ रही है। नई पीढ़ी भीमल की उपयोगिता से धीरे-धीरे अनजान होती जा रही है। वन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो पहाड़ अपनी एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर खो सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि भीमल के पौधों का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाए और इसके रेशे व अन्य उत्पादों का वैज्ञानिक ढंग से मूल्य संवध न किया जाए, तो यह पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती दे सकता है। जैविक और प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती मांग के दौर में भीमल से बने उत्पाद देश-विदेश के बाजारों में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

पहाड़ के बुजुर्ग कहते हैंकृजिस गांव में भीमल है, वहां पशुधन भी स्वस्थ रहता है और प्रकृति भी खुशहाल रहती है। आधुनिकता की दौड़ में यदि इस वृक्ष और इससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान को सहेजा जाए, तो भीमल आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि उत्तराखंड की समृ(लोक संस्कृति, आत्मनिर्भरता और प्रकृति से जुड़ाव का जीवंत प्रतीक बना रहेगा।

चारधाम यात्रा के लिए 20 अतिरिक्त बसें चलेंगी

चमोली(आरएनएस)। चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को वाहनों की कमी न हो इसके लिए चमोली परिवहन विभाग ने उत्तराखंड राज्य परिवहन निगम, जीएमओयूलि और टैक्सी-मैक्सी संचालकों के साथ मिलकर वाहन सुविधाएं बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत परिवहन निगम हरिद्वार, ऋषिकेश और अन्य डिपो से यात्रा मार्गों पर 20 अतिरिक्त बसें चलाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) आनंद जायसवाल ने कर्णप्रयाग, चमोली और ज्योतिर्मठ में वाहन संचालकों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने सभी संचालकों को मानकों के अनुरूप उचित किराये पर यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इस पर जीएमओयूलि के प्रभारी सुरजीत सिंह और टैक्सी यूनियनों ने अपनी सहमति दी है। इस पहल से श्री बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, अनसूया देवी, भविष्य बदरी और औली जाने वाले देश-विदेश के पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी।

कर्तिया सिंचाई नहर क्षतिग्रस्त, धान रोपाई पर संकट

कोटद्वार(आरएनएस)। रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत करीब 20 गांवों को मंदाल नदी से सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने वाली कर्तिया सिंचाई नहर का शुरुआती एक किलोमीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे काश्तकारों को समय पर सिंचाई का पानी नहीं मिलने से धान की रोपाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।ग्राम कर्तिया निवासी एवं पूर्व प्रधानाचार्य भारत सिंह नेगी, अनिल सिंह, आनंद सिंह असवाल, शिशुपाल रावत, लक्ष्मण सिंह रावत, बीरेंद्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र के गांवों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आजादी के बाद 1952 में मंदाल नदी पर मालबास से कर्तिया तक नौ किमी. नहर बनाई गई। नहर बनने के बाद कर्तिया, ढिंगाचौड़, ढिकोलिया, कुई, छरगड्डी, गजरजाल, झर्त, गंगाजाल, बीरोंबाड़ी, धामधार समेत आसपास के तोक गांवों को लगातार सिंचाई की सुविधा मिल रही थी।नहर की हालत खस्ताहाल होने पर सिंचाई विभाग ने पिछले वर्ष करीब एक करोड़ से नहर की मरम्मत कराई थी लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही।

उनका आरोप है कि पुराने प्लास्टर झड़ने के बजाए उसके ऊपर नया प्लास्टर करने से नहर का करीब 75 प्रतिशत प्लास्टर झड़कर भीतर मलबे के रूप में जमा हो गया है जिससे पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है।

किसानों ने बताया कि नौ किमी लंबी नहर की देखरेख के लिए विभाग की ओर से केवल एक बेलदार तैनात है। इसके अतिरिक्त 200 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी पर दो अन्य श्रमिक लगाए गए हैं लेकिन कम पारिश्रमिक के कारण सफाई कार्य प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा है। आरोप लगाया कि संबंधित कनिष्ठ अभियंता का मुख्यालय सिंचाई बंगला स्टोर रथुवाढाब में होने के बावजूद वह कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहते, जिससे किसानों को अपनी शिकायतें दर्ज कराने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हल्के रंगों के कपड़े पहनें

गर्मियों के मौसम में हमें हल्के रंग के ही कपड़ो का चयन करना चाहिएए् गर्मियों में खादी शिफ्रेन या प्योर कॉटन के कपड़े बेहतर रहते हैं। इसमें आजकल स्टाइलिश और फैशनेबल परिधान भी मौजूद हैं। सिल्की व गहरे रंग के साथ ही भारी जरी वाले कपड़ो से दूर ही रहना चाहिएए् ऐसे कपडे न सिर्फ हमें गर्मी का अहसास कराते है, बल्कि यह हमारे शरीर पर चुभते भी हैए् लॉन्ग कुर्ती के साथ या फिर वेस्टर्न आउटफिट के साथ लेगिंग्स पहनना काफी डिसेंट लगता है। इसे पहनकर ऑफिस, मीटिंग आदि मे भी जा सकती है। जहां तक हो सके गहरे रंग के कपड़ों का इस्तेमाल करने से बचें। काले रंग से दूर ही रहें।

ऐसे मौसम में अगर आप सिंथेटिक कपड़ें पहनते हैं तो ये आपके लिए तकलीफदेह साबित हो सकता है।

कम ज्वेलरी पहनें

गर्मियों में कम ज्वेलरी का ही इस्तेमाल करें। कानों में छोटा सा इयरिंग और गले में हल्का सा नेकलेस आपको अच्छा लुक देगा।

गर्मी ज्यादा हो तो हमारे पैरों पर भी इसका असर पड़ सकता है, इसके लिए कैनवस शूज या फिर सैंडल को पहनना बेहतर होगा। गर्मी के मौसम में टाइट जींस की जगह लाइट वेट डेनिम या फिर लेगिंग्स को शामिल किया जा सकता है। टाइट फिट कपड़ों की जगह ढीले ढाले कपड़े ज्यादा आरामदेह रहते हैं। सिल्क, सैटिन, नेट,जैसे कपड़े न पहनें। इससे गर्मी से होनेवाले संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

छाते का करें इस्तेमाल

अगर कहीं जा रहीं हैं तो धूप से बचने छाते का इस्तेमाल करें, इसके साथ ही पूरा शरीर ढ़का हुआ होना चाहिये। हाथों में दस्ताने पहनें।

इस प्रकार हासिल करें फिटनेस

महिलाओं में फिट रहने की चाहत होती है। इससे खूबसूरती में निखार आने के साथ ही सेहत भी ठीक रहती है। इसके लिए खानपान में ध्यान देने के साथ ही नियमित प्रयास भी करने पड़ते हैं।

वर्कआउट करें

सप्ताह में एक दिन जर्मन वर्कआउट पिलाटे करें। पिलाटे कंट्रोल्ड ब्रीदिंग के साथ होने वाला एक जर्मन वर्कआउट है। 45 मिनट के वर्कआउट में पिटाले करने से तकरीबन 400 से लेकर 500 तक कैलोरी बर्न होती हैं।

ब्यूटी किट में रखना न भूलें ये 4 चीज...!

एक तो गर्मी, ऊपर से छिटपुट बारिश ने उमस को बढ़ा दिया है. ऐसे में चेहर का ख्याल और भी जरूरी हो गया है. उमस और ज्यादा गर्मी के चलते पसीना ज्यादा निकलता है और स्किन ड्राई होने लगती है. हालांकि, कुछ बातों का ध्यान रख गर्मी के सीजन में भी स्किन को ग्लोइंग बनाया जा सकता है. आज हम आपको बताने जा रहे हैं ब्यूटी किट की उन चीजों के बारें में जो समर फ्रेंडली हैं और खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं. आप भी इन्हें अपने मेकअप किट में जरूर शामिल करें.

सैलीसिलिक एसिड

जब मौसम बदलता है तो एक्ने ब्रेकआउट और ब्लैक हेड्स की प्रॉब्लम भी बढ़ने लगती है. ऐसे में सैलिसिलिक एसिड त्वचा के रोम छिद्रों में अंदर तक जाकर डेड सेल्स को बाहर निकाल देता है. यह नए सेल्स के बनने में भी मदद करता है. मुंहासे की समस्या भी पूरी तरह खत्म कर सकता है.

नियासिनामाइड

बी टाउन की एक्ट्रेस कृति सेनन और आलिया भट्ट ने कुछ दिन पहले ही वीडियो शेयर कर बताया था कि नियासिनामाइड से उनकी त्वचा गर्मियों में भी खूबसूरत बनी रहती है. इसमें विटामिन बी 3 पाया जाता है. यह घुलनशील होने के चलते रोम के छिद्रों, फाइन लाइन्स और झुर्रियों की छुट्टी कर सकता है.

एलोवेरा

इसे चमत्कारिक जड़ी बूटी तो माना ही जाता है, इसमें औषधीय गुण भी जबरदस्त होते हैं. स्किन को मॉइस्चराइज करने में ऐलोवेरा कमाल का काम करता है. स्किन में नमी रहने से रेडनेस जैसी समस्याएं दूर हो सकती हैं.

विटामिन सी

समर सीजन में स्किन की देखभाल में विटामिन सी अच्छा रोल निभाती है. सुस्त और थके चेहरे को यह रिफ्रेश करने के साथ सनस्पॉट को मिटाने का काम करती है. यह विटामिन कोलेजन का उत्पादन करती है और हाइपरपिग्मेंटेशन को खत्म करने का काम करती है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

परफ्यूम लगाने के लिए अपनाएं ये तरीके, दिनभर महक रहेगी बरकरार

खुशबूदार परफ्यूम न केवल आपको अच्छी महक देता है, बल्कि यह आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। इसे लगाने के बाद आप दिनभर तरोताजा महसूस कर पाते हैं। हालांकि, कई लोगों को परफ्यूम लगाने का सही तरीका नहीं मालूम है, जिसके कारण इसकी खुशबू लंबे समय तक नहीं रह पाती। आइए आज हम आपको परफ्यूम लगाने के सही तरीके बताते हैं।

ज्यादातर लोग अपनी कलाइयों पर परफ्यूम लगाकर उन्हें आपस में रगड़ लेते हैं। हालांकि, ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे परफ्यूम की खुशबू फीकी हो जाती है। दरअसल, रगड़ने से फ्रिक्शन होता है, जो इत्र को गर्म करके इसकी खुशबू को बदल देता है। इस कारण सबसे पहले अपनी त्वचा को हल्के और बिना सुगंध वाले बॉडी लोशन से मॉइस्चराइज करें और फिर लंबे समय तक चलने वाली खुशबू के लिए त्वचा पर परफ्यूम छिड़कें।

शरीर के किसी भी हिस्से पर परफ्यूम छिड़कने के बजाय पल्स पॉइंट्स पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये क्षेत्र शरीर के गर्म हिस्से होते हैं, जो अतिरिक्त गर्मी बाहर निकालने में मदद करते हैं। इससे स्वाभाविक रूप से पूरे शरीर में खुशबू बनी रहती है। पल्स पॉइंट्स कोहनी के अंदर का हिस्सा, कान के पीछे, घुटनों के पीछे, पेट के नीचे और कलाई के अंदर वाले क्षेत्र हैं।

परफ्यूम की खुशबू को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए नहाने के तुरंत बाद परफ्यूम को स्प्रे करना चाहिए न कि घर से बाहर जाते समय। दरअसल, नहाने के बाद आपकी त्वचा मॉइस्चराइज्ड और खुले रोमछिद्रों से गर्म होती है, जिसके कारण परफ्यूम की खुशबू अवशोषित हो जाती है। हालांकि, नहाने के बाद परफ्यूम लगाने से पहले तौलिये से अपनी त्वचा को अच्छे से साफ और सूखा जरूर कर लें।

पल्स पॉइंट्स के अलावा आपके बाल भी परफ्यूम की खुशबू को अच्छी तरह से लंबे समय तक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप अपने बालों के बीच में या आखिर में बिना अल्कोहल वाला परफ्यूम स्प्रे कर सकते हैं। हालांकि, किसी भी नुकसान से बचने के लिए परफ्यूम को सीधे अपने बालों पर स्प्रे करने के बजाय हेयरब्रश पर स्प्रे करके इस्तेमाल करें।

कपड़ों पर भी लगाएं परफ्यूम

परफ्यूम की खुशबू को पूरे दिन बरकरार रखने के लिए इसे अपने कपड़ों पर भी लगाना याद रखें। हालांकि, दाग से बचने के लिए परफ्यूम को रेशमी कपड़ों पर स्प्रे करने से बचें। कपड़ों पर परफ्यूम की महक त्वचा की तुलना में अलग हो सकती है और देर तक बनी रहती है। इसके अलावा अगर आप डॉयरेक्ट कपड़ों पर स्प्रे नहीं करना चाहते हैं तो हवा में परफ्यूम स्प्रे करें और फिर उसी के आसपास कपड़े को लहराएं।

चेहरे को खराब भी कर सकता है नींबू का रस !

स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं। देसी नुस्खा और नेचुरल चीजों पर लोगों का भरोसा ज्यादा देखने को मिलता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ प्राकृतिक चीजें भी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसमें एक नाम नींबू भी है। बेशक नींबू सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है लेकिन अगर आप अपनी स्किन या चेहरे पर इसका रस डायरेक्ट लगाते हैं तो इसके कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। आइए जानते हैं स्किन पर नींबू के रस से क्या-क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

नींबू में ब्लीचिंग इफेक्ट्स पाए जाते हैं, जिससे यह स्किन के लिए असरदार बताया जाता है। स्किन से जुड़ी परेशानियों को यह दूर करने में मदद करता है। नींबू के रस में विटामिन सी होता है, जो दाग-धब्बों का सफाया कर देता है। हालांकि, फिर भी इसके रस को स्किन पर सीधे लगाने से मना किया जाता है। क्योंकि यह कई तरह की परेशानियां खड़ी कर सकता है।

नींबू का रस स्किन के लिए तभी तक फायदेमंद हैं, जब तक उसमें अन्य चीजें मिली हों। इससे उसका संतुलन बना रहता है लेकिन अगर बिना कुछ मिलाए सिर्फ नींबू का रस ही स्किन पर लगा लिया जाए तो लालिमा आ सकती है और खुजली की समस्या परेशान कर सकती है।

अगर आप नींबू का रस सीधे ही अपनी स्किन पर लगा रहे हैं तो इसके कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। इससे स्किन पर सनबर्न का खतरा बढ़ जाता है। कुछ लोगों की स्किन ऐसी होती है कि डायरेक्ट प्यूर फॉर्म में नींबू का रस लगाने पर उनमें केमिकल ल्यूकोडर्मा और फाइटोफोटोडर्मेटाइटिस जैसी स्किन समस्याएं बढ़ने का खतरा हो सकती हैं। इससे खुजली और जलन भी बढ़ सकती है।

शब्द सामर्थ्य -217

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

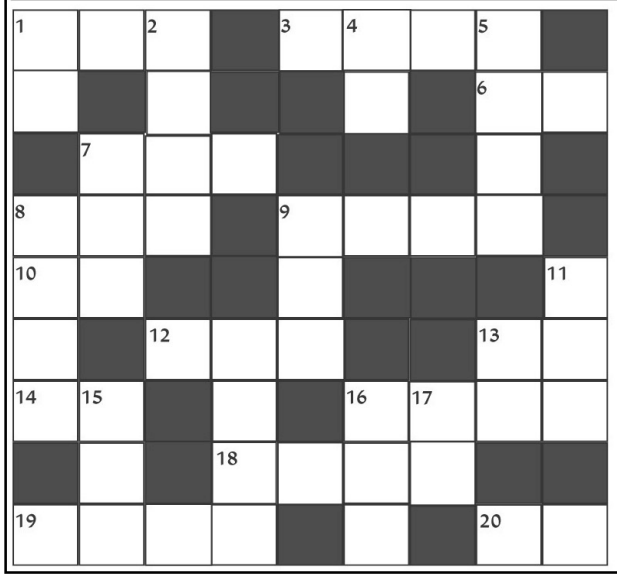

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 216 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

वजन घटाने की कोशिश करने के बावजूद नहीं हो रहा फायदा? हो सकते हैं ये कारण

वजन घटाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं, फिर भी उन्हें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पाता है। अगर आप भी वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं और आपको लगता है कि आप सही दिशा में काम कर रहे हैं, फिर भी कुछ खास नतीजे नहीं मिल रहे हैं तो आपकी असफलता की वजहें छिपी हुई हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ छिपी हुई वजहों के बारे में बताते हैं।

पूरी नींद न लेना- नींद पूरी न होने से वजन कम करने की कोशिशों में रुकावट आ सकती है। जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते तो आपका शरीर हार्मोनल गड़बड़ी का शिकार हो सकता है, जिससे भूख और खाने की इच्छा बढ़ जाती है। इसके अलावा नींद पूरी न होने से शरीर की ऊर्जा खर्च करने की क्षमता कम हो जाती है। इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

ज्यादा तनाव लेना- अगर आप रोजाना किसी न किसी कारण से तनाव लेते हैं तो यह भी वजन घटाने की प्रक्रिया में रुकावट डाल सकता है। तनाव के कारण शरीर में कुछ हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे भूख और खाने की इच्छा बढ़ जाती है। इसके अलावा तनाव से शरीर में चर्बी जमा होने की प्रवृत्ति भी बढ़ जाती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

पानी की कमी- शरीर में पानी की कमी भी वजन घटाने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। अगर आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी रहे हैं तो आपको वजन घटाने में दिक्कत आ सकती है। पानी की कमी से शरीर की ऊर्जा खर्च करने की क्षमता कम हो जाती है। इसके अलावा पानी की कमी से शरीर में गंदगी बाहर निकालने की क्षमता भी कम हो जाती है।

पोषक तत्वों की कमी- अगर आपकी खाने की आदतों में जरूरी पोषक तत्वों की कमी है तो वजन कम करने की कोशिशें बेकार हो सकती हैं। पोषक तत्वों की कमी से शरीर में जरूरी विटामिन और मिनरल्स की कमी हो सकती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके अलावा पोषक तत्वों की कमी से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी कम हो जाती है। इसलिए वजन घटाने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें।

एक्सरसाइज न करना- अगर आप वजन घटाने के लिए केवल खान-पान पर ध्यान दे रहे हैं तो यह गलती हो सकती है। वजन कम करने के लिए खान-पान के साथ-साथ एक्सरसाइज करना भी जरूरी है। एक्सरसाइज से शरीर में रक्त का बहाव बेहतर होता है और शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इसके अलावा एक्सरसाइज से शरीर से गंदगी बाहर निकल जाती है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं ये 5 जड़ी बूटियां

जोड़ों का दर्द अक्सर खराब जीवनशैली, गलत खान-पान और उम्र बढ़ने के कारण होता है। कई लोग इस समस्या से राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन इनके साथ कुछ जड़ी बूटियों का सेवन भी जोड़ने से दर्द से काफी राहत मिल सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी जड़ी बूटियों के बारे में बताते हैं, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकती हैं।

हल्दी- हल्दी में एक खास तत्व होता है, जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। यह तत्व सूजन और दर्द में राहत दिलाने में सहायक होता है। इसके लिए गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है। यह न केवल दर्द को कम करता है, बल्कि शरीर को अंदर से भी मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में भी सुधार होता है।

अदरक- अदरक भी जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक होता है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। अदरक की चाय या फिर सीधे अदरक का रस पीने से दर्द में राहत मिल सकती है। इसके अलावा अदरक का सेवन खाने में भी किया जा सकता है। अदरक के नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में सुधार होता है और दर्द में भी कमी आती है।

तुलसी- तुलसी को में कई प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं, जो जोड़ों की सेहत सुधारने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व सूजन कम करने और दर्द निवारण में सहायक होते हैं। तुलसी की चाय पीने से या फिर तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर पीने से भी जोड़ों का दर्द कम होता है। इसके अलावा तुलसी का सेवन खाने में भी किया जा सकता है।

लहसुन- लहसुन का सेवन भी जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। लहसुन की कली को कच्चा चबाने या फिर उसका तेल लगाकर मालिश करने से भी दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा लहसुन का सेवन खाने में भी किया जा सकता है। लहसुन के नियमित सेवन से जोड़ों की सेहत में सुधार होता है।

नीम- नीम को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है, जिसमें कई प्रकार के विटामिन और खनिज होते हैं, जो जोड़ों की सेहत सुधारने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व सूजन कम करने और दर्द निवारण में सहायक होते हैं। नीम की पत्तियों का काढ़ा बनाकर पीने से या फिर नीम की पत्तियों का रस निकालकर पीने से भी जोड़ों का दर्द कम होता है। इसके अलावा नीम के तेल से मालिश करने से भी आराम मिलता है।

नियति फतनानी बोलीं-मनोरंजन की दुनिया का भविष्य है माइक्रो-ड्रामा

मनोरंजन की दुनिया लगातार बदल रही है। जहां कभी लंबे टीवी शोज और दो से तीन घंटे की फिल्में दर्शकों की पहली पसंद हुआ करती थीं, वहीं अब डिजिटल दौर में कंटेंट देखने का तरीका तेजी से बदल रहा है। आज की पीढ़ी कम समय में ज्यादा मनोरंजन चाहती है और यही वजह है कि छोटे वीडियो, वेब सीरीज और माइक्रो-ड्रामा जैसे नए फॉर्मेट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी बदलते दौर के बीच अभिनेत्री नियति फतनानी अपने नए माइक्रो-ड्रामा शो बेबी डॉल को लेकर चर्चा में हैं।

उन्होंने इस नए फॉर्मेट में काम करने के अनुभव, अपने किरदार और मनोरंजन उद्योग के भविष्य को लेकर खुलकर बात की। नियति फतनानी ने कहा, माइक्रो-ड्रामा में काम करना टेलीविजन शोज से काफी अलग अनुभव है। आज के समय में कलाकारों के लिए जरूरी है कि वे बदलते ट्रेंड के साथ खुद को भी अपडेट रखें। वर्टिकल वीडियो और माइक्रो-ड्रामा आने वाले समय में मनोरंजन की दुनिया का बड़ा हिस्सा बनने वाले हैं। इस फॉर्मेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेज रफ्तार है। यहां कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है और दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखने की कोशिश की जाती है। हालांकि यह चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कलाकारों के लिए यह एक नया अवसर भी लेकर आता है।

अभिनेत्री ने कहा, माइक्रो-ड्रामा की दुनिया में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कलाकारों को अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिलता है। एक अभिनेता के रूप में यह अनुभव बेहद रोमांचक होता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और दिखाने का अवसर मिलता है। इससे न केवल अभिनय क्षमता बढ़ती है, बल्कि दर्शकों के साथ जुड़ने का तरीका भी और मजबूत होता है।

नए शो में अपने किरदार को लेकर नियति ने बताया, इस कहानी में मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं जो अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती है। वह एक संघर्षशील कलाकार है, जिसके बड़े सपने हैं और जो इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। लेकिन मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं होता। यहां रोजमर्रा के खर्चे, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा किसी भी नए कलाकार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं।

नियति ने कहा, कहानी में मेरे किरदार को एक एजेंट सफलता का आसान रास्ता सुझाता है। यहीं से कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आते हैं। हालांकि यह विषय काफी संवेदनशील है, लेकिन शो की खास बात यह है कि इसे गंभीरता के बजाय हास्य और मनोरंजन के साथ पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, दर्शकों को यह शो इसलिए भी पसंद आएगा, क्योंकि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ वास्तविक जीवन की झलक भी देखने को मिलेगी। कहानी एक युवा लड़की के सपनों, संघर्षों और उसके सफर को दिखाती है। साथ ही इसमें ऐसे कई पल हैं जो दर्शकों को हंसाने के साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ेंगे।

बचपन की यादों में खोईं तृप्ति डिमरी, कहा-बहुत मार खाई है

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। तृप्ति ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं।

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा मां बहन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

डुंडा सहित ब्रह्मखाल और धौंतरी अस्पताल में नहीं है सफाई कर्मचारी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुंडा सहित ब्रह्मखाल और धौंतरी में सफाई कर्मचारियों की तैनाती नहीं होने के कारण मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों का सामना करना पड़ रहा है। डुंडा में मरीजों से जमा होने वाली धनराशि से एक कर्मचारी लगाया गया है लेकिन वह मात्र सुबह ही अपना कार्य कर लौट जाता है। दूसरी ओर अन्य दो अस्पतालों में सफाई वैकल्पिक व्यवस्था पर चल रही है। कई बार इन अस्पतालों में पूरे दिन सफाई नहीं हो पाती है। अस्पतालों में सफाई का विशेष महत्व है लेकिन जनपद के अस्पतालों में इस व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। मुख्यालय से करीब 15 किमी की दूरी पर स्थित पीएचसी डुंडा में आजतक सफाई कर्मचारी की तैनाती नहीं हो पाई है जबकि यह अस्पताल चारधाम यात्रा के दृष्टिकोण से डुंडा, धनारी, बरसाली आदि क्षेत्र के ग्रामीणों का मुख्य अस्पताल है।दूसरी ओर पीएचसी ब्रह्मखाल सहित धौंतरी में स्थिति ओर भी दयनीय है। वहां पर भी वैकल्पिक व्यवस्था की गई है लेकिन अन्य जगहों से लिए गए सफाईकर्मी अपने समयानुसार ही कभी-कभी सफाई करने पहुंचते हैं। स्थानीय निवासी विरेंद्र सिंह का कहना है कि जब सफाई ही नहीं होगी तो ऐसी स्थिति में मरीज कैसे स्वस्थ हो पाएगा। डुंडा पीएचसी चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक शर्मा का कहना है कि डुंडा में एक कर्मचारी है लेकिन वह सुबह ही अपना कार्य कर लेते हैं। सीएमओ डॉ. बीएस रावत का कहना है कि समिति की ओर से सफाई कर्मचारियों की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। वर्तमान में 36 सफाईकर्मियों और 38 वार्डबॉय की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया गतिमान है।

गोसदन का संचालन कर रही संस्था को नोटिस

उत्तरकाशी(आरएनएस)। गोसदन में रखे निराश्रित गोवंश की नियमित देखभाल नहीं किए जाने पर नगर पंचायत प्रशासन ने गोसदन का संचालन कर रही संस्था को नोटिस भेज कर कार्रवाई की चेतावनी दी है। व्यापारियों ने निराश्रित पशुओं की ओर से पहुंचाए जा रहे नुकसान पर भी नाराजगी व्यक्त की और नगर पंचायत प्रशासन से जरूरी कार्रवाई की मांग की।वार्ड नंबर सात के सौली कस्बे में निराश्रित पशुओं को आश्रय देने के लिए बने गो सदन का अनमोल ग्राम स्वराज संस्थान डेढ़ वर्षों से संचालन कर रही है जहां करीब 5० निराश्रित पशु बंधे हैं लेकिन पशुओं की नियमित देखभाल नहीं होने से वह शहर की ओर रुख कर सब्जी विक्रेताओं सहित अन्य व्यापारियों के सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं।व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन रमोला सहित कई व्यापारी निराश्रित पशुओं की ओर से व्यापारियों को पहुंचाए जा रहे नुकसान पर नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी शिवानी रावत ने गोदन का संचालन कर रहे अनमोल ग्राम स्वराज संस्थान को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि गोसदन में रखे पशुओं की देखभाल में लापरवाही बरती जा रही है जिससे पशु मुख्य बाजार सहित सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे हैं।

सू- दोकू क्र.217

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.216का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	6	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

शिविरों में उमड़ी भीड़, सैकड़ों लोगों को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

बागेश्वर (आरएनएस)। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद के गरुड़ एवं बागेश्वर विकासखंड में जनकल्याणकारी शिविरों और विकास योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शिविरों में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया।

गरुड़ के रामलीला मैदान में नगर पंचायत द्वारा आयोजित शिविर में दर्जा प्राप्त मंत्री शिव सिंह बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास, नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में पशुपालन, बाल विकास, वन, पंचायती राज, राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, सहकारिता, आयुष, समाज कल्याण, शिक्षा, उद्यान, जल संस्थान, डेयरी विकास, उद्योग, सेवायोजन, जिला पूर्ति, पेयजल निगम तथा श्रम विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाए। अधिकारियों ने 212 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उनकी समस्याओं और शिकायतों का त्वरित समाधान किया।

इसी क्रम में विकासखंड बागेश्वर सभागार में भी जनकल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत प्रमुख ने की। शिविर में क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। आजीविका मिशन, पशुपालन एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों ने भी अपने स्टॉल लगाए।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने अचार, जूस, दालें, जड़ी-बूटियां और अन्य स्थानीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाकर स्वरोजगार एवं आजीविका गतिविधियों का प्रदर्शन किया। जनपद स्तरीय अधिकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

शिविरों के दौरान लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं और शिकायतों का संबंधित विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया। प्रशासन का कहना है कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने तथा स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित निस्तारण की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

चेक वितरण प्रक्रिया में मानकों के अनदेखी का आरोप

चमोली(आरएनएस)। दो दिन पूर्व विकासखंड सभागार में चेपड़ों के आपदा प्रभावितों को रीप की ओर से आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए थे। अब इस मामले में ग्रामीण नाराज हैं। चेपड़ों के आपदा प्रभावितों का कहना है कि कई लोगों को नुकसान अधिक हुआ लेकिन उन्हें बहुत कम मुआवजा मिला है। प्रकरण को लेकर प्रभावितों ने एसडीएम से जांच की मांग की है।तहसील पहुंचे आपदा प्रभावितों ने उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत को रीप परियोजना के तहत राहत चेक वितरण में अनियमितता की जांच के लिए ज्ञापन दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि नंदा देवी आजीविका सहकारिता ने बिना मानकों और सर्वे के चेक बांटे। वास्तविक प्रभावितों को नजरअंदाज कर उन्हें रुपये 8०० से 15 हजार के चेक दिए गए जबकि अपात्रों को लाखों का लाभ मिला। उन्होंने शिकायत करते हुए कहा कि चेक वितरण कार्यक्रम में चहेतों को लाभ पहुंचाया गया है। प्रभावितों ने अपने चेक वापस जमा करने और नई सर्वे सूची तैयार कर पात्रों को मुआवजा देने की मांग की। वहीं उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत ने इस पूरे प्रकरण की जांच का आश्वासन दिया है।

पुलिंडा रोड पर हाथियों की धमक, राहगीरों की बढ़ी चिंता

कोटद्वार(आरएनएस)। पुलिंडा रोड पर इन दिनों हाथियों की लगातार मौजूदगी से स्थानीय लोगों और राहगीरों की चिंता बढ़ गई है। बृहस्पतिवार शाम को हाथियों का एक झुंड काफी देर तक सड़क पर डटा रहा जिससे मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से लोगों ने वाहन रोक दिए। इस दौरान एक घंटे तक सड़क पर आवागमन ठप रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब 8 बजे कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर कोटद्वार से 3 किमी. आगे 15-16 हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर सड़क पर पहुंच गया और लंबे समय तक वहीं विचरण करता रहा।

इस दौरान क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को सुरक्षित दूरी बनाकर इंतजार करना पड़ा। हाथियों के सड़क पर डटे रहने से दोनों ओर वाहनों की कतारें भी लग गईं। वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। कहा कि सुबह और शाम के समय हाथियों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, इसलिए इन घंटों में जंगल से सटे मार्गों पर अनावश्यक आवाजाही से बचना चाहिए। सुबह और सायंकालीन भ्रमण पर जाने वाले लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। तीन दिन पूर्व गड़ेथ गांव में हाथी के हमले में एक महिला घायल हो गई थी। इस घटना के बाद से आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

वहीं रामड़ी बाजार क्षेत्र में हाथी धमक गया था, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने लोगों से हाथियों के निकट जाने, उन्हें उकसाने अथवा फोटो खींचने के लिए पास जाने से बचने की अपील करते हुए किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल विभाग को देने को कहा है।

नैनीडांडा बीडीसी : घरेलू गैस, बिजली-पानी और सड़कों के मुद्दे छाए

कोटद्वार(आरएनएस)। विकासखंड नैनीडांडा के सभागार में आयोजित क्षेत्र पंचायत समिति (बीडीसी) की बैठक में घरेलू गैस सिलिंडरों की किल्लत, बिजली, पेयजल, शिक्षा और सड़क जैसी जनसमस्याएं प्रमुखता से छाई रहीं। जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों से जुड़े 35 मुद्दे उठाए जिनमें से केवल छह समस्याओं का ही मौके पर समाधान हो सका। ब्लॉक प्रमुख प्रकीर्ण नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोक निर्माण विभाग और पीएमजीएसवाई से संबंधित चर्चाओं के दौरान जनप्रतिनिधियों ने कंडिया-चमाड़ा मोटर मार्ग और ज्यूंदाल्यू-पातल मार्ग के डामरीकरण की मांग उठाई। ऊर्जा निगम की समीक्षा में कौला मल्ला क्षेत्र में खराब मौसम के दौरान बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि लंबी विद्युत लाइन और पेड़ों के संपर्क में आने के कारण यह समस्या उत्पन्न होती है जिसका सर्वे कर समाधान किया जाएगा।

पेयजल निगम और जल संस्थान की समीक्षा के दौरान मैंदोली के प्रधान ने मुख्य टैंक में रिसाव के कारण गांव तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत दर्ज कराई। कफलटंडा के प्रधान ने नैनीडांडा पंपिंग पेयजल योजना में नियुक्त फीटर की अनुपस्थिति का मामला उठाया। इसके अलावा डंडधार में हैंडपंप लगाने, कौला तल्ला में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य पूरे कराने, अदालीखाल बाजार में पेयजल आपूर्ति सुचारू करने और खिरैरीखाल में पंपिंग सेट स्थापित करने की मांग भी रखी गई। रिंगल्टा के प्रधान ने जल जीवन मिशन के तहत निर्मित योजना को गांव को हस्तांतरित करने की मांग की।

क्षेत्रीय विधायक दिलीप रावत ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने गैस सिलिंडरों की किल्लत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी से क्षेत्र में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने की बात कही। बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए एडीओ समाज कल्याण मनीष गुसाईं को सम्मानित किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे। संचालन बीडीओ प्रमोद कुमार पांडेय ने किया।

योगाचार्यो को किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

देहरादून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड द्वारा योगाचार्यो को सम्मानित किया।

मनमोहन शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऋषिकल्प आश्रम चंद्रमणि में अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड के सम्मानित पदाधिकारियों ने पूज्य आचार्य योगाचार्य अरुण कुमार और सुधीर वर्मा, दिनेश भंडारी, राजेंद्र कोठियाल क्षेत्र पंचायत सदस्य सोनू को शाल माला पुष्प गुच्छ प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर मनमोहन शर्मा ने कहा कि जीवन को स्वस्थ रखने के लिए हमारे पूर्वजों और ऋषि मुनियों ने योग की विधाओं को सिखा कर जीने की कला को बताया है और उन्हीं के मार्गदर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया योग एक ऐसी साध ना है जिससे मानव का शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त रहता है लेकिन कुछ लोग केवल योग दिवस पर ही कुछ पल के लिए योग करके अपने जीवन को सफल करना चाहते हैं। मेरा सभी जान मानस से अनुरोध है कि आप अपने जीवन को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो प्रत्येक दिन योग साधना के माध्यम से आप अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।

इस अवसर पर आचार्य अरुण कुमार ने कहा की योग एक ऐसी विधा है जो इसको सीख लेता है वह दूसरों को भी सिखाकर उनके जीवन को भी सुखमय बनाने का प्रयास करता है हर जान मानस को योग सिखाना चाहिए। इसी क्रम में लालचंद शर्मा ने कहा कि महासभा द्वारा प्रत्येक रचनात्मक कार्य जनमानस के लिए प्रतिदिन करने का कार्य कर रही है चाहे वह योग के रूप में हो चाहे जनमानस को धर्म के पथ पर चलने का मार्ग बताते हो महासभा प्रत्येक दिन अच्छा कार्य कर रही है।

इसी क्रम में दिनेश भंडारी सुधीर वर्मा ने भी अपने विचारों में कहा कि जीवन जीने के लिए और आयुर्वेद को अपनाकर शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है इस अवसर पर पंडित मनमोहन शर्मा, आचार्य अरुण कुमार ,लालचंद शर्मा ,सुधीर वर्मा दिनेश भंडारी, राजेंद्र कोठियाल, पीयूष गौड़ राज्य आंदोलनकारी महानगर अध्यक्ष, सोनू कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य तिमली सुदामा सौरभ गुप्ता गीता वर्मा सरिता अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

चुनावी बिसात के बीच नया 'सियासी...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

जाने की तैयारी में है। यानी दोनों दलों ने अपनी-अपनी चुनावी रणनीति तय कर ली है। एक ओर सड़क पर संघर्ष का संदेश है, तो दूसरी ओर विकास और उपलब्धियों का दावा।

लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों ने एक और सवाल खड़ा किया है कि क्या राजनीतिक विरोध लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रह पाएगा? विशेषज्ञों का मानना है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन यदि विरोध टकराव या हिंसा में बदलता है तो इसका नुकसान राजनीतिक दलों से ज्यादा लोकतांत्रिक व्यवस्था को होगा। प्रशासन के सामने भी चुनौती है कि वह राजनीतिक विरोध और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखे। चुनावी माहौल में यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

भाजपा का कहना है कि लोकतंत्र में विरोध का स्वागत है, लेकिन अराजकता स्वीकार नहीं की जाएगी। पार्टी नेताओं का दावा है कि जनता विकास कार्यों और सरकार के प्रदर्शन के आधार पर निर्णय करेगी। सरकार का यह भी कहना है कि विपक्ष जनता के वास्तविक मुद्दों के बजाय राजनीतिक सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार जनता के सवालों से बच रही है। विपक्ष के अनुसार यदि युवाओं, कर्मचारियों, किसानों और आम लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर किया जाता, तो सड़क पर उतरने की नौबत नहीं आती। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक अधिकार और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति बता रही है।

उत्तराखंड की राजनीति में अब चुनावी शतरंज की बिसात सज चुकी है। भाजपा अपनी उपलब्धियों के सहारे जनादेश दोहराने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष जनाक्रोश को राजनीतिक पूंजी में बदलने की कोशिश कर रहा है। भाजपा नेताओं की लगातार घेराबंदी की घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आने वाले महीनों में प्रदेश की राजनीति और अधिक आक्रामक होगी। हालांकि यह निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी कि ये सभी विरोध एक केंद्रीकृत रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इतना स्पष्ट है कि विपक्ष सार्वजनिक कार्यक्रमों को सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने के मंच के रूप में अधिक सक्रियता से इस्तेमाल कर रहा है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते-आते यह सियासी टकराव और तेज होने की पूरी संभावना है।

टैंकर पर हाईटेंशन लाइन गिरने से लगी भीषण आग

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क किनारे खड़े डीजल टैंकर पर अचानक हाईटेंशन लाइन गिरने से भीषण आग लग गयी। जिससे मौके पर अफरा-तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया और डीजल टैंक फटने से बचा लिया।

मामला कोतवाली गंगनहर क्षेत्र में राजमहल होटल के समीप का है। यहां खड़े एक ट्रक में हाईटेंशन बिजली की लाइन गिरने से भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन रुड़की की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर विभाग को प्राप्त सूचना के अनुसार राजमहल होटल के निकट खड़े ट्रक में अचानक आग लग गई थी। मौके पर पहुंची फायर यूनिट ने देखा कि ट्रक के ऊपर हाईटेंशन बिजली की लाइन गिरी हुई थी और उसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। इस कारण आग तेजी से फैल रही थी। फायर कर्मियों ने तत्काल स्थिति का आकलन करते हुए बिजली आपूर्ति बंद कराने के लिए कई बार बिजली विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद घटना की जानकारी कंट्रोल रूम को दी गई तथा चेतक मोबाइल को बिजलीघर भेजा गया। बिजलीघर से विद्युत आपूर्ति बंद किए जाने के बाद फायर कर्मियों ने होज पाइप बिछाकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूर्ण रूप से नियंत्रण पा लिया गया।

फायर अधिकारियों के अनुसार यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो ट्रक का डीजल टैंक फट सकता था, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका थी। हालांकि फायर सर्विस की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। आग की घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मौके पर मौजूद लोगों ने फायर सर्विस की त्वरित एवं साहसिक कार्रवाई की सराहना करते हुए टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। आग बुझाने वाली टीम में फायर कर्मी विपिन सिंह, विपिन सैनी, हरीशचंद्र, सुनील बंदोलिया एवं अभिषेक राज शामिल रहे।

कर्णप्रयाग में हुई हिंसा दुर्भाग्यपूर्णः बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। उक्रांद केंद्रीय कार्यालय में दल के केंद्रीय महामंत्री एवं तराई मंडल प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट ने प्रेस से वार्ता करते हुए ने कहा कि कर्णप्रयाग में कुछ लोगों तथा सिक्ख निहंगों के बीच आपसी बोलचाल की घटना जिस प्रकार उग्र हिंसा में बदली यह दुर्भाग्यपूर्ण है, उतराखंड वासियों ने सदा अतिथि देवों भव की परंपरा को आत्मसात किया है। उक्रांद कभी भी इस प्रकार की हिंसा का पक्षध र नहीं रहा, लेकिन इस घटना के बाद जिस प्रकार से घटनाए सामने आयी है यह राज्य सरकार की कार्यशैली नफरती मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा घटना के बाद जहाँ एक ओर निहंगों द्वारा नगरासु गुरुद्वारे पर कब्जा किया गया और जो वहाँ सेवादार थे उनको बंधक बनाया गया, और इस बात की पुष्टि गुरुद्वारे के प्रबंधक द्वारा की गयी कि निहंगों द्वारा उनके साथ बदसूलुकी की गयी, लेकिन उन पर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उनके द्वारा स्थानीय व्यापारियों के साथ साथ प्रशासन, पुलिस बल, अर्द्ध सैनिक बल को प्रभावित किया गया, उक्रांद सभी पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की माँग करता है। वहीं दूसरी ओर कुछ सिक्खों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से पहाड़ वासियों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया जिसका एकमात्र उदेश्य दोनों राज्यों के मध्य आपसी उन्माद फैलाना है, पंजाब सरकार तत्काल ऐसी नफरती मानसिकता वाले तत्वों पर कड़ी कारवाई करे।

इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सिंह सजवाण, केंद्रीय महामंत्री राजेश्वरी देवी, केंद्रीय महामंत्री रमा चौहान, प्रकाश भट्ट आदि उपस्थित रहे।

चोरी के लाखों रुपये के सामान व नगदी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लाखों रूपये की नगदी व सामान के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पंकज गैरोला ने बताया कि लगातार घटित हो रही चोरी की घटनाओं की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा घटनाओं के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु थाना सेलाकुई पर अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक निर्देश दिये गये। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों के परिणाम स्वरूप पुलिस टीम को चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपियों के पुनः किसी घटना को अंजाम देने के इरादे से सेलाकुई क्षेत्र में आने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध ग्लैमर मोटर साइकिल पर सवार

02 लोगों विकास पुत्र नाथी राम निवासी झीवर हेडी जयन्तीपुर थाना बिहारी गढ सहारनपुर, व सुमित कुमार पुत्र स्व0 श्री धर्मसिह निवासी ग्राम हुसैनमलिकपुर थाना बेहट जिला सहारनपुर को रोक कर चैक किया गया तो बाइक सवार लोगों से चोरी करने के उपकरण बरामद हुआ जिनसे सख्ती से पूछताछ के दौरान उनके द्वारा सेलाकुई क्षेत्र में कई बंद घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर उनके शकंरपुर, सहसपुर स्थित किराये के कमरे से अलग-अलग घटनाओं में चोरी किया गया लगभग 40 लाख रूपये मूल्य का माल तथा 03 लाख 90 हजार रूपये नगद बरामद किये गया। घटना में प्रयुक्त ग्लैमर मोटर साइकिल को सीज किया गया। विकास द्वारा चोरी के सामान को बेचकर कमाए गए 2 लाख 50 हजार रुपए को अपने बैंक खाते में डालना पाए जाने पर उसके बैंक खाते को फ्रिज कराया गया। सख्ती से पूछताछ उनके द्वारा बताया गया कि वह दिहाडी मजदूरी का काम करते हैं, जिससे उनका मुशकिल से ही गुजारा चल पाता था। इस कारण उनके द्वारा योजना बनाई गई जिसके अनुसार वे दिन में काम की तलाश के बहाने बंद घरों की रैकी करते थे। वह शंकरपुर स्थित एक किराये के मकान में रह रहे थे तथा चोरी की घटना मे मिलने वाला सामान भी उनके द्वारा उसी किराये के कमरे में छिपाया गया था। जिसमें से वह थोडा-थोडा सामान बेचकर अपना खर्चा चला रहे थे। एसएसपी ने पुलिस टीम को ढाई हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संत समाज का योगदान अतुलनीयः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हरि सेवा आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं विशाल संत सम्मेलन में प्रतिभाग करते हुए पूज्य संत-महात्माओं का अभिनंदन किया तथा आश्रम द्वारा किए जा रहे सेवा, संस्कार एवं समाज जागरण के कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं जीवन के वास्तविक उद्देश्य से जोड़ने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने संत समाज को भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना का संवाहक बताते हुए कहा कि इतिहास में संतों एवं मनीषियों ने समाज को मार्गदर्शन देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संत समाज का योगदान अतुलनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए युग का साक्षी बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अस्मिता, आध्यात्मिक पहचान एवं सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। इसी उद्देश्य से राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, समान नागरिक संहिता तथा भू-कानून जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से जोड़ने के लिए दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की स्थापना की गई है, जहां भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं सभ्यता पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं शोध कार्य किए जाएंगे। हरिद्वार में प्राच्य शोध संस्थान की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिचेतानन्द महाराज का आभार व्यक्त करते हुए संत समाज से राज्य एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संतों के आशीर्वाद और जनसहयोग से उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प को अवश्य पूर्ण किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खंडूरी भूषण, कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, प्रदीप बत्रा, संतगण एवं अन्य गणमान्य मौजूद थे।

25 लाख की धोखाधड़ी में अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। 25 लाख की साइबर धोखाधड़ी मामले का खुलासा करते हुए एसटीएफ की साइबर क्राइम पुलिस द्वारा दो लोगो को पश्चिमी बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से विभिन्न बैंकों के 13 डेबिट कार्ड, पासबुक, चेकबुक, बैंक खाता खोलने के फॉर्म, सिम कार्ड एवं 3 मोबाइल बरामद किए गए है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि देहरादून के निवासी द्वारा साइबर ठगी के सम्बन्ध में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में शिकायत दर्ज करायी गयी। बताया था कि अज्ञात साइबर ठगों द्वारा उनका मोबाइल फोन हैक कर उनकी ई-मेल आईडी एवं मोबाइल नम्बर परिवर्तित कर उनकी कम्पनी के बैंक खाते से लगभग 24.95 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गयी है। मामले में साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा आदि से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से आरोपियों को चिन्हित करते हुये बीतीदिनांक 14 जून को निरीक्षक आशीष गुसांई के नेतृत्व में एक पुलिस टीम पश्चिम बंगाल रवाना की गयी। पुलिस टीम द्वारा बीती 18 जून को एक सूचना के आधार पर रानाघाट पश्चिम बंगाल से उक्त घटना में संलिप्त दो आरोपियों तपन बिस्वास (उम्र 45 वर्ष) एवं उत्तम कुमार दास (उम्र 38 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा साइबर ठगों को बैंक खाते, एटीएम कार्ड एवं सिम कार्ड उपलब्ध कराने तथा इसके बदले आर्थिक लाभ प्राप्त करने की बात स्वीकार की गई। आरोपियों द्वारा विभिन्न व्यक्तियों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड, सिम कार्ड एवं बैंकिंग विवरण साइबर ठगों को उपलब्ध कराना, जिसमे आरोपी उत्तम कुमार दास द्वारा भी अपने नाम से कई बैंक खाते खुलवाकर उनके डेबिट कार्ड एवं सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराना स्वीकार किया गया। जांच में पाया गया कि आरोपी तपन बिस्वास द्वारा संदिग्ध बैंक खाते का संचालन कर साइबर ठगी की धनराशि के लेनदेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही थी। जबकि आरोपी उत्तम कुमार दास के बैंक खाते में वादी की ठगी गई धनराशि की दूसरी लेयर में ट्रांसफर होने के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

बाइक चोरी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 6 बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुरायी गयी 6 बाइक बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि बीती 21 जून को थाना पथरी में मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में दो मुकदमें दर्ज किये गये थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा थानाध्यक्ष पथरी को चोरी गई मोटरसाइकिलों की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुपालन में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के क्षेत्रों में गहन जांच की तथा डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसी क्रम में बीती शाम एक सूचना के आधार पर पुलिस ने घुण्टी चौक जाने वाले मार्ग से दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को स्वीकार किया। हिरासत में लिये गये संदिग्धों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से 6 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। बरामद वाहनों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार किये गये दोनो आरोपियों के नाम सुधांशु पुत्र पवन निवासी ग्राम धनपुरा, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार व मनीत पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम धनपुरा, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार बताया जा रहा है।

नगरासू गुरुद्वारा विवादः तीसरी मंजिल पर चढ़े दो और निहंग आज नीचे उतरे

हमारे संवाददाता

कर्णप्रयाग। नगरासू गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल पर डटे निहंगों में से दो और निहंग नीचे उतर आए हैं। नीचे उतरे दो निहंगों में से एक की पहचान परमवीर सिंह (33 वर्ष), निवासी ग्राम मलकपुर, जिला रूपनगर (रूपड़), पंजाब और दूसरे की जगनदीप के रूप में हुई है। एक निहंग कल ही उतर गया है। तीन निहंगों के उतरने के बाद अब गुरुद्वारे के अंदर चार निहंग मौजूद हैं।

बता दें कि नगरासू गुरुद्वारे में शनिवार शाम से शुरू हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा रविवार शाम करीब 27 घंटे बाद कुछ हद तक शांत हुआ था। इस दौरान जिला प्रशासन और निहंगों के बीच तीन दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। निहंग कर्णप्रयाग प्रकरण में गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग पर अड़े हुए थे। बीती शाम प्रशासन की ओर से दोबारा बातचीत किए जाने के बाद बंधक बनाए गए सेवादार नवतेज सिंह को भी रिहा कर दिया गया था।

❑गुरुद्वारे में अब अंदर चार निहंग ही मौजूद, भारी पुलिस बल तैनात

इसके अलावा एक निहंग भी नीचे उतर आए।

मिली जानकारी के अनुसार आज निहंग परमवीर सिंह और जगनदीप के नीचे आने के बाद गुरुद्वारे के भीतर मौजूद निहंगों की संख्या घटकर चार रह गई है। प्रशासन लगातार अंदर मौजूद निहंगों से बातचीत कर रहा है। बीती शाम से ही गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं की आवाजाही और अरदास दोबारा शुरू हो गई थी।

पुलिस प्रशासन ने पूरे मामले को आपसी विवाद के चलते बिगड़ी स्थिति बताया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सात निहंग गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल पर चढ़ गए थे और उन्होंने गुरुद्वारे के सेवादार समेत दो लोगों को अपने कब्जे में ले लिया था।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गुरुद्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस, आईटीबीपी, एटीएस तथा अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। प्रशासन का प्रयास है कि शेष चार निहंगों को भी शांतिपूर्वक नीचे उतारकर विवाद का समाधान निकाला जाए।

नाबालिग ने की बड़े भाई, भाभी व भतीजे की हत्या!

हमारे संवाददाता

गोरखपुर। पारिवारिक कलह के चलते एक नाबालिग ने अपने बड़े भाई, भाभी व भतीजे की गंडासे से काट कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

यह वारदात आज तड़के 3 बजे जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर बांसगांव थाना क्षेत्र में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दो मंजिला घर में मां-बाप और बड़े भाई का परिवार नीचे की मंजिल में रहता था। ऊपर के कमरे में छोटा भाई रहता था।

बताया जा रहा है कि बड़ा भाई, पत्नी और, दो बच्चों- के साथ सोया था। रात 3 बजे आरोपी भाई उसके कमरे में घुसा। सब गहरी नींद में थे। उसने गड़ासे से बेड पर सो रहे बड़े भाई, भाभी और बेटे पर ताबड़तोड़ वार किए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 9 साल की भतीजी ने उसे हत्या करते देख लिया और चिल्लाते हुए कमरे से बाहर भागी। चीख सुनकर माता-पिता जाग गए। पिता बड़े बेटे के कमरे में गए, जहां तीनों की लाश पड़ी हुई थीं। छोटा बेटा खून से सना गड़ासा लेकर कमरे से बाहर निकल रहा था। आरोपी ऊपर वाली मंजिल पर जाकर चुपचाप बैठ गया। पिता ने पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पिता ने उन्हें बताया कि छोटे बेटे ने ही हत्या की है। वह ऊपर वाले कमरे में बैठा है। पुलिस ऊपरी मंजिल पर गई तो आरोपी गड़ासा हाथ में लेकर फर्श पर बैठा मिला। कमरा खुला था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

छोटे भाई ने ऐसा क्यों किया यह साफ नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पारिवारिक दुकान से जुड़े विवाद की बात सामने आई है जिस पर छोटा बेटा बैठता था। लेकिन बड़ा भाई जो बाहर नौकरी करता था वापस घर आ गया था। छोटे भाई को लगता था कि दुकान पर बड़ा भाई कब्जा कर लेगा। इसे लेकर आए दिन घर में विवाद होने लगा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों की गहराई से जांच कर रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।